मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

02 नवम्बर, 2022

निरंतर प्रगति के सोपान पर आगे बढ़ रहा है मुक्त विश्वविद्यालय – राज्यपाल

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह पर भव्य आयोजन

दिनांक 02 नवम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की आभासीय अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की तथा समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह, शिक्षा सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली रहे। अस्वस्थता के कारण सारस्वत अतिथि डॉ0 नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार उपस्थित नहीं हो सके। इस अवसर पर डॉ0 गौर का संदेश पढ़ा गया।

इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रस्तुत की। संचालन प्रोफेसर पी के पांडेय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया।

इस अवसर पर माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती पटेल ने सरस्वती परिसर में स्थापित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती पटेल ने विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन, ई–ज्ञान संगम, (ओ. ई. आर. रिपोजिटरी) एवं ई–ज्ञानार्जन (एल.एम.एस. पोर्टल) का उद्घाटन किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

सातवें भारत जल सप्ताह की थीम टिकाऊ विकास और समानता के लिए जल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रजत जयंती समारोह के शुभारंभ में कलश की स्थापना के साथ ही उस में जल भरकर विशिष्ट अतिथियों ने जल भर कर टिकाऊ विकास और समानता के लिए जल सुरक्षा थीम को साकार करने ''जल है तो कल है'' और जल को बचाने के लिए संकल्प लिया और सभी को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए
प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

विश्वविद्यालय कुलगीत

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
रजत जयंती समारोह

टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
रजत जयंती समारोह

अतिथि स्वागत

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह, शिक्षा सलाहकार मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली को फल एवं पौधा भेंट कर स्वागत करती हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

सभागार में उपस्थित अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

स्वागत भाषण

भारद्वाज ऋषि की तपोभूमि प्रयागराज में स्थापित उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित हो रहे रजत जयंती समारोह में मंचासीन आदरणीय अतिथिगणों एवं प्रेक्षागृह में पधारे हुए आप सभी का मैं हार्दिक स्वागत करती हूँ, अभिनन्दन करती हूँ। मैं विशेष रूप से इस समारोह की अध्य क्षता कर रहीं माननीया श्री राज्यपाल, उ0प्र0 एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का बारम्बार वन्दन एवं हृदय की गहराईयों से स्वागत करती हूँ। आपने गुजरात सरकार में शिक्षा मंत्रालय एवं अन्य अनेक मंत्रालयों में मंत्री की भूमिका सहित गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री होने का गौरव भी प्राप्त किया है। राज्यसभा की सदस्या के साथ–साथ आप छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश राज्य की माननीया राज्यपाल के पदों को सुशोभित कर चुकी हैं। देश और सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश गौरवान्वित है कि शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा प्रशासनिक क्षेत्रों का इतने वृहद अनुभव का लाभ उसे मिल रहा है। आपके नेतृत्व और मार्गदर्शन में उ0प्र0 की उच्च शिक्षा का कायाकल्प हो रहा है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय पर आपकी कृपादृष्टि एवं स्नेह के लिए हम सभी कृतार्थ हैं, आभारी हैं।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मैं, आज के समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल सिंह, शिक्षा सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार जी का भी विशेष स्वागत और अभिनन्दन करती हूँ। प्रो0 सिंह देश के जाने–माने प्रकृतिवादी के साथ–साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक लम्बा प्रशासनिक अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। अपनी शैक्षिक उपलब्धियों से आपने शैक्षिक और पर्यावरण क्षेत्र के अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किये हैं। व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल में आचार्य के पद पर रहते हुए आपने डॉ0 हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर में वर्ष 2004 में कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया था। तदोपरान्त कुलपति काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, कुलपति देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर तथा निदेशक, राष्ट्रीय आंकलन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के पदों को भी आप सुशोभित कर चुके हैं। वर्ष 2017 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करते ही आपने देश की उच्च शिक्षा में आमूल–चूल तथा गुणात्मक परिवर्तनकारी कार्य किये हैं। जिनमें शोध में गुणवत्ता उन्नयन हेतु मानकों का निर्धारण, सी0बी0सी0एस0 प्रणाली का क्रियान्वयन, ऑनलाइन शिक्षा का उन्नयन एवं विस्तार, ऑनलाइन तथा मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम विनियमों का निर्धारण आदि प्रमुख योगदान हैं। इन्हीं उपलब्धियों एवं अनुभवों का लाभ प्राप्त करने की दृष्टि से ही शायद उ0प्र0 के कर्मयोगी मुख्यमंत्री श्री आदित्यनाथ योगी जी ने आपको शिक्षा सलाहकार के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु नामित किया है और प्रदेश को इसका लाभ भी मिलना प्रारम्भ हो गया है। आपको अपने बीच पाकर हम हर्षित हैं, गौरवान्वित हैं।

मैं इस समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उ0प्र0 सरकार का भी हृदय से अभिनन्दन एवं विशेष रूप से स्वागत करती हूँ जो अस्वस्थता की वजह से हमारे बीच उपस्थित नहीं हो पाये हैं। भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी के सादा जीवन, उच्च विचार वाले व्यक्तित्व को प्रेरणास्रोत मानने वाले डॉ0 गौर वस्तुतः भौतिकविज्ञानी हैं। इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षार्थी और शिक्षक दोनों रूपों में ज्ञान और अनुभव प्राप्त करते हुए आपने राजनैतिक क्षेत्र में पदार्पण किया। वास्तव में आज का यह गौरवशाली क्षण आपके प्रयासों का ही प्रतिफल है। आपके ही विशेष प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, इसका नामकरण एवं मुख्यालय का निर्धारण हुआ था। आज के इस कार्यक्रम में आपकी आभासी उपस्थिति हम सबको प्रफुल्लित और रोमांचित करने वाली तथा प्रेरणादायक है।

विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् एवं विद्यापरिषद् के सम्मानित सदस्यों का भी इस समारोह में हार्दिक स्वागत करती हूँ। इस प्रेक्षागृह में उपस्थित रज्जू भइया विश्वविद्यालय के सम्मानित कुलपति, विश्वविद्यालय के सम्मानित पूर्व कुलपतियों तथा अन्य विश्वविद्यालयों से पधारे सम्मानित कुलपतियों का भी मैं हार्दिक स्वागत करती हूँ। कार्यक्रम में उपस्थित माननीय जनप्रतिनिधियों, समस्त अतिथियों, विद्व तजनों, प्रशासनिक अधिकारियों, पत्रकार बन्धुओं का भी मैं स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ। मैं प्रेक्षागृह में पधारे तथा वर्चुअली जुड़े हुए शिक्षार्थियों, अभिभावकों, सभी सुधीजनों तथा विश्वविद्यालय परिवार का स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ।

आज के इस शुभ अवसर पर माननीया कुलाधिपति जी द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में स्थापित भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा का अनावरण करने की स्वीकृति प्रदान करने की कृपा की गयी है। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन शिक्षा की दिशा में गम्भीरता से बढ़ाये गये कदमों के रूप में ऑनलाइन एजूकेशन सेन्टर तथा ई–ज्ञानार्जन व ई–ज्ञान संगम आदि का भी उद्घाटन करने की स्वीकृति प्रदान करने की कृपा की है। इस हेतु मैं महोदया का सादर आभार व्यक्त करती हूँ। महोदया, अब तक विश्वविद्यालय ने 16 दीक्षान्त समारोहों का सफलतापूर्वक आयोजन कर लगभग 6 लाख शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रमाण पत्र एवं उपाधियां प्रदान की हैं। विश्वविद्यालय के ये पुरा–छात्र जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्थितियां प्राप्त कर राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित पुरा–छात्र संघ के द्वारा इन योगदानों को संकलित एवं रेखांकित करने का प्रयास जारी है।

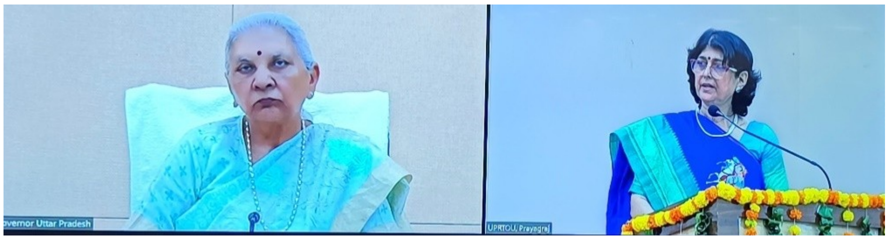

विश्वविद्यालय परिवार के लिए यह आनन्द और हर्षोल्लास का अवसर है। इस समारोह में आप सबकी उपस्थिति गौरवान्वित करने वाली भी है। वर्ष 1998 में आज की तिथि 02 नवम्बर को इस विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी और तब से आरम्भ हुई प्रगति यात्रा आज पच्चीसवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। अपने 24 वर्ष की विकास यात्रा में विश्वविद्यालय ने भौतिक अधिसंरचना तथा मानव संसाधनों सहित शिक्षार्थी नामांकन, शैक्षिक कार्यक्रमों में विविधता, अध्ययन केन्द्रों तथा क्षेत्रीय केन्द्रों की संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ आधुनिक सूचना एवं जनसंचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए अपने शैक्षिक एवं समाजिक उत्तरदायित्वों का भी बखूबी निर्वहन किया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने हमेशा की भाँति अथक परिश्रम करते हुए इस विश्वविद्यालय की विकास यात्रा को रेखांकित करने वाली स्मारिका को मूर्तरूप दिया है तथा एक वृत्तचित्र भी तैयार किया है। माननीया कुलाधिपति जी एवं मंचासीन सम्माननीय अतिथियों द्वारा इसका विमोचन आज के इस पुनीत अवसर पर किया जायेगा तथा आपकी अनुमति से वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया जायेगा। शासन और प्रशासन की मंशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन, संचालन एवं प्रतिभाग किया जाता है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा आजादी के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर 'सेल्फी विद तिरंगा' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसके विजेताओं को आज माननीया कुलाधिपति जी एवं सम्मानीय अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया जायेगा।

माननीया कुलाधिपति जी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से यह विश्वविद्यालय अपने प्रगति पथ पर अग्रसर है। रजत जयंती समारोह के इस शुभ अवसर पर आपका स्नेहाशीष पाकर विश्वविद्यालय कृतज्ञ है तथा आपका हार्दिक आभार व्यक्त करता है। आपकी गरिमामयी इस कृपा से विश्वविद्यालय के मान–सम्मान एवं प्रतिष्ठा में श्रीवृद्धि हुई है। इसके लिए मैं एक बार पुनः आपका वन्दन करती हूँ तथा आपके प्रति हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। इस आयोजन में पधारे मुख्य अतिथि सम्मान्य प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल सिंह एवं विशिष्ट अतिथि आदरणीय डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी का मैं पुनः पुनः अभिनन्दन करती हूँ तथा उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। आपके शुभागमन से हम सभी अनुग्रहीत है।

इस रजत जयन्ती समारोह हेतु विश्वविद्यालय को इस गौरवशाली मुकाम तक पहुँचाने वाले पूर्व कुलपतियों, पूर्व तथा वर्तमान के अधिकारियों, पूर्व तथा वर्तमान के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के प्रति मैं श्रद्धावनत होकर आभार व्यक्त करती हूँ एवं धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। इस आयोजन को मूर्तरूप देने वाले विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को साधुवाद एवं बधाई। एक बार पुनः आप सभी का अभिनन्दन एवं धन्यवाद।

विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री)

विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़े रखने एवं उन्हें नित नई जानकारियों से अवगत कराने के उद्देश्य से सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की स्थापना की गई है। इसके साथ ही ई–ज्ञान संगम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई अध्ययन सामग्री को निर्धारित ओ. ई.आर. लाइसेंस प्राप्त करते हुए आम जनमानस को विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही ई–ज्ञानार्जन (लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम) पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन माध्यम से भी संचालित करने की योजना है। इससे दूर–दराज में रह रहे शिक्षार्थी भी ऑनलाइन माध्यम से पाठ्यक्रमों को पूरा कर अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती पटेल, मुख्य अतिथि प्रोफेसर डीपी सिंह, कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने रजत जयंती समारोह स्मारिका एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का विमोचन किया।

सेल्फी विद तिरंगा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार

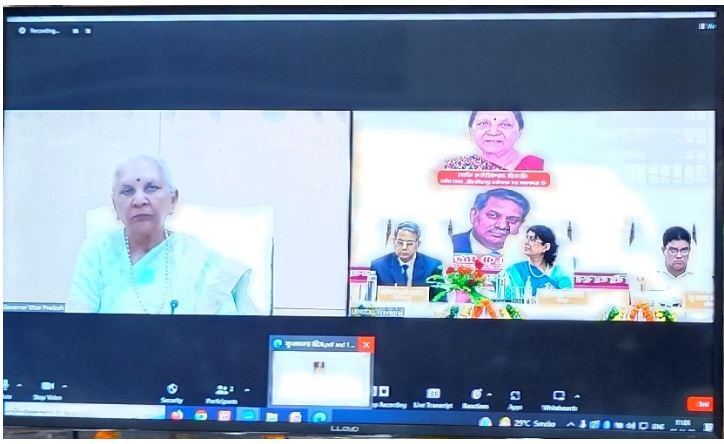

मुख्य अतिथि प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक चलाए गए हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सेल्फी विद तिरंगा प्रतियोगिता के विजेताओं कुमारी आयुषी शाक्या, कानपुर, श्री अमित कुमार शुक्ला, अयोध्या, पवित्रा निषाद, प्रयागराज को पुरस्कृत किया।

समारोह के मुख्य अतिथि
प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह,
शिक्षा सलाहकार मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

सारस्वत अतिथि का शुभकामना संदेश

डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर
पूर्वमंत्री (उत्तर प्रदेश)
उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा
श्रम एवं सेवायोजन, गन्न विकास एवं चीनी उद्योग
सदस्य, कार्यसमिति, उ०प्र० भा०ज०पा०
सदस्य, राष्ट्रीय कार्यसमिति, भा०ज०पा० (पूर्व)

निवास :
15/3, स्टैनली रोड, ताशकन्द मार्ग
सिविल लाइन्स, इलाहाबाद - 211001
फोन : 0532 - 2408716
मोबाइल : 9415214004

शुभकामना संदेश

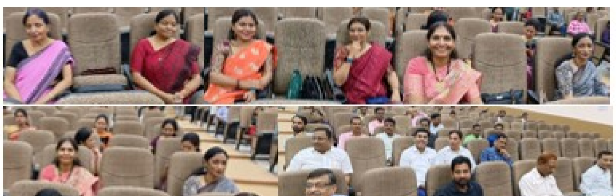

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रदेश में उच्च शिक्षा विस्तार के लिए, विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण एवं सेवारत कर्मियो के लिए, महान स्वतंत्रता सेनानी, भारतरत्न राजर्षि पुरुषोतमदास टंडन के नाम पर तत्कालीन भाजपा सरकार ने 2 नवंबर 1998 को मुक्त विश्वविद्यालय खोलने का निर्णय लिया। मेरा भी सौभाग्य रहा कि इस विश्वविद्यालय को खोलने में मेरी अहम भूमिका रही।

मेरी हार्दिक इच्छा थी कि विश्वविद्यालय की रजत जयंती के शुभ अवसर पर उपस्थित रहूं। किंतु 18 अक्टूबर को अहमदाबाद अपनी बेटी के पास पहुंचने के बाद अचानक मेरा स्वास्थ बहुत खराब हो गया और 21 अक्टूबर को मुझे अस्पताल में भरती होना पडा। कल अस्पताल से डिस्चार्ज हुआ हूँ, स्वास्थ लाभ ले रहा हूँ।

इस रजत जयंती के शुभ अवसर पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार को मेरा अभिनंदन एवं अनंत शुभकामनाएं। मैं कार्यक्रम की सफलता एवं विश्वविद्यालय के सफल भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रो. सीमा सिंह,
कुलपति,
उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डा. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर,
पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री,
उत्तर प्रदेश

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार अस्वस्थ होने की वजह से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने अपना संदेश देते हुए समारोह की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

मुक्त चिन्तन

मुख्य अतिथि का उद्बोधन

आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति सशक्त दस्तावेज है : प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह

मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह

मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह, शिक्षा सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन का समय आ गया है। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा तेजी से आगे बढ़ रही है।

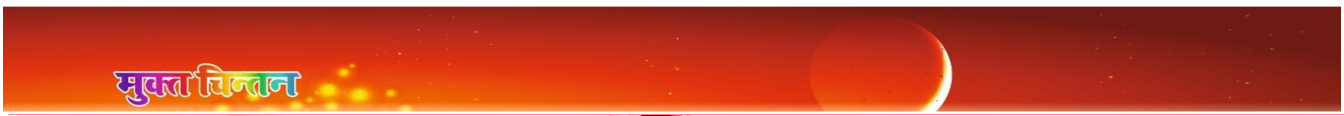

उन्होंने कहा कि हमें श्रेष्ठ वैश्विक नागरिकों को विकसित करना है। चरित्रवान नागरिक का निर्माण करना है। यह देश विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान बनाये। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति सशक्त दस्तावेज है।

मुक्त चिन्तन

अनावरण एवं विमोचन कार्यक्रम

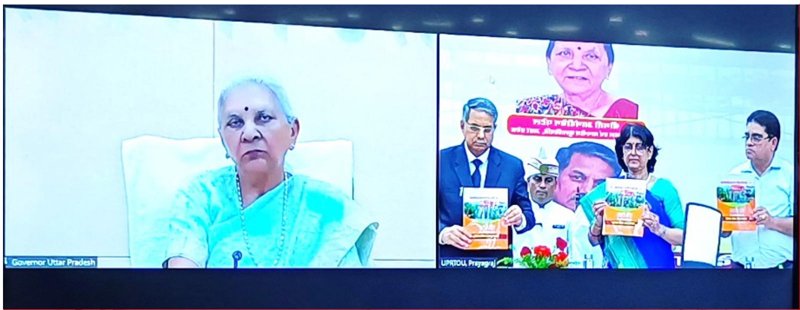

माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने सरस्वती परिसर में स्थापित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के सेन्टर फॉर आनलाइन एजुकेशन, ई– ज्ञान संगम (ओ. ई.आर. रिपाजिटरी) एवं ई.–ज्ञानार्जन (एल.एम.एस. पोर्टल) का उद्घाटन तथा रजत जयंती समारोह स्मारिका के विमोचन किया।

मुक्त चिन्तन

अध्यक्षीय उद्बोधन

निरंतर प्रगति के सोपान पर आगे बढ़ रहा है मुक्त विश्वविद्यालय – राज्यपाल

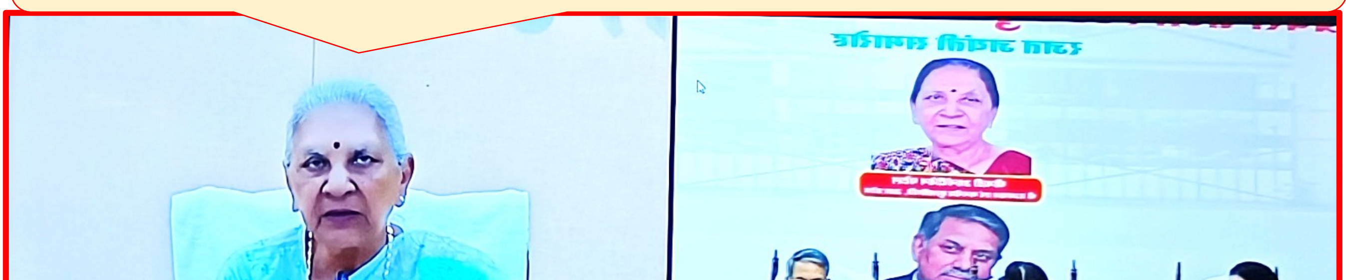

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर अटल प्रेक्षागृह में मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने रजत जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि ऑनलाइन शिक्षा में आधुनिक तकनीक का तेजी से उपयोग हो रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के सोपान पर आगे बढ़ा रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय का प्रदेश व्यापी विस्तार हुआ है। जन सामान्य तक इसके कार्यक्रम सुलभ हैं।

मा0 राज्यपाल एवं कलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

मुक्त चिन्तन

मा0 राज्यपाल ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को जेल में सजायाफ्ता कैदियों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। जेल में अध्ययन केंद्र संचालित करके महिलाओं और लड़कियों को भी शिक्षित करने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय किन्नरों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराएं। इसके लिए राजभवन मदद करेगा। श्रीमती पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को वर्षा जल का संग्रह करना चाहिए। इस दिशा में सभी विश्वविद्यालयों को प्रयास करना चाहिए और योजना बनानी चाहिए। जिससे जल का शुद्धिकरण करके उसे पीने योग्य बनाया हो सके और बागवानी में भी काम आ सके।

मा0 राज्यपाल ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शिक्षार्थियों के क्रियाकलापों को बढ़ाने के लिए खेल, संस्कृति एवं टूर समिति के गठन पर जोर दिया। जिससे संस्कृतियों और विचारों का आदान–प्रदान हो सके।

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

समारोह की अन्य झलकियां

मुक्त चिन्तन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
रजत जयंती समारोह

News Letter

मुक्त चिन्तन

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

06 नवम्बर, 2022

विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति जी से कुलपति ने की शिष्टाचार भेंट

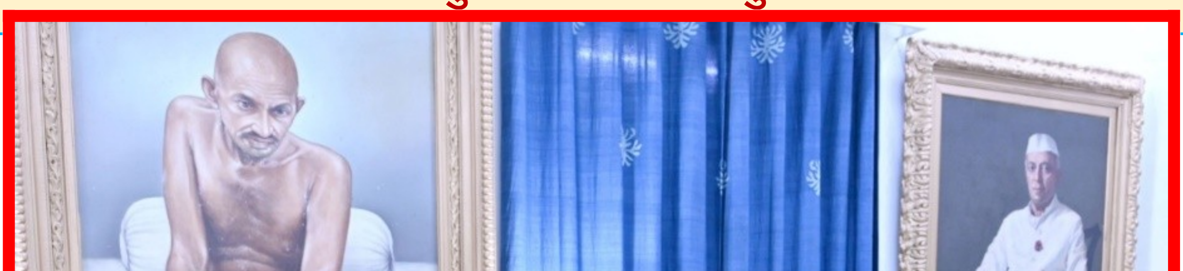

उत्तर प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दिनांक 6 नवंबर 2022 को राजभवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की तथा विश्वविद्यालय की गतिविधियों से माननीया कुलाधिपति जी को अवगत कराया।

उत्तर प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति
श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
को अंगवस्त्र एवं नारियल भेंट करती हुई
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की
कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति
श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
को
विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की
स्मारिका, कैलेण्डर एवं स्मृति चिन्ह
भेंट करती हुई
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
की
कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह से पैरा ओलंपियन, गोल्ड मेडलिस्ट दीपा मलिक ने की शिष्टाचार भेंट

दिनांक 06 नवम्बर, 2022 को राजभवन, लखनऊ में सुश्री दीपा मलिक पैरा ओलंपियन, गोल्ड मेडलिस्ट ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की।

दीपा मलिक, शॉटपुट एवं

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 नवम्बर, 2022

मुविवि में रजत जयंती वर्ष में हुआ व्याख्यान का आगाज

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं प्रो0 पी0के0 साहू जी

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस** के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 11 नवम्बर, 2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **विशिष्ट व्याख्यान** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 पी0 के0 साहू जी, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

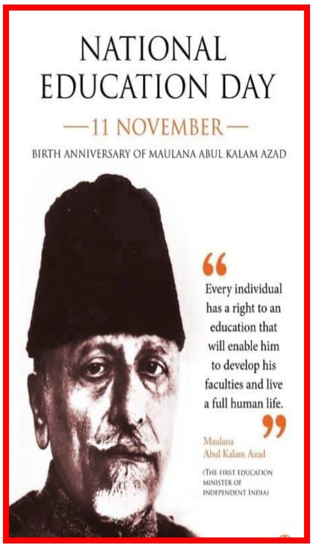

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, डॉ0 संजय कुमार सिंह एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

प्रारंभ में मुख्य अतिथि इविवि के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी0 के0 साहू एवं मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह तथा अन्य अतिथियों ने रजत जयंती वर्ष में वर्ष पर्यंत चलने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत पहले व्याख्यान का उद्घाटन दीप प्रज्वलन करके किया। शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी0 के0 स्टालिन ने अतिथियों का स्वागत तथा परविन्द वर्मा ने विषय प्रवर्तन किया। संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

मुक्त चिन्तन

स्वागत एवं सम्मान

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 पी0 के0 साहू जी को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

निदेशक,
शिक्षा विद्याशाखा,
प्रो0 पी0 स्टालिन
को
पुष्पगुच्छ
एवं
अंगवस्त्र
भेंट कर
उनका सम्मान
करते हुए
प्रोफेसर, शिक्षा,
प्रो0 छत्रसाल सिंह

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो० पी० स्टालिन

विषय प्रवर्तन करते हुए असि. प्रोफेसर श्री परविन्द्र वर्मा

मुक्त चिन्तन

स्वायत्तता के बिना विकास संभव नहीं – प्रोफेसर पी के साहू

प्रोफेसर पी0 के0 साहू

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी0 के0 साहू ने व्याख्यान देते हुए कहा कि विकास स्वायत्तता के बिना संभव नहीं होता। यदि हम किसी से नियंत्रित होंगे तो वह हमारी स्वायत्तता पर बाधा उत्पन्न करेगा। स्वायत्तता का संप्रत्यय संकुचित होता है क्योंकि किताब पढ़ने से स्वायत्तता नहीं आती। किताब पढ़ना गाइडेड इंस्ट्रक्शन के अंतर्गत आता है।

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर साहू ने कहा कि औपचारिक शिक्षा एवं मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा के दर्शन में जिस प्रकार का अंतर है उसी तरह से औपचारिक शिक्षक एवं मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक में भी अंतर होता है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षार्थी की स्वायत्तता पर बल देती है। आधुनिक शिक्षा में अनुभव आधारित शिक्षा विज्ञान का एक स्वरूप है।

प्रोफेसर साहू ने कहा कि सोच, विचार और सृजनता कभी नष्ट नहीं होती। उसका स्वरूप अत्यंत सूक्ष्म होता है। मानव जैसे जैसे विकास करता जाता है उसी के अनुरूप सूक्ष्म ज्ञान भी आगे बढ़ता जाता है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर साहू ने

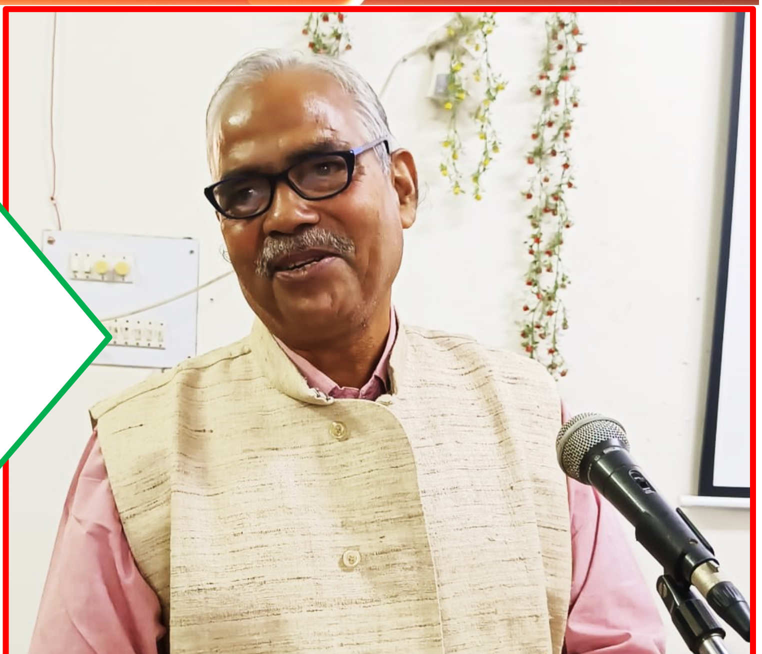

मुक्त चिन्तन

दूरस्थ शिक्षा पद्धति विकास की अनंत संभावनाएं – प्रोफेसर सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनका मानना था कि शिक्षा समाज में हमें जीने का मौका देती है। शिक्षा मजबूती प्रदान करती है तथा ऊंचाई पर ले जाने में शिक्षा की सशक्त भूमिका है।

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में छात्र हमसे दूर

मुक्त चिन्तन

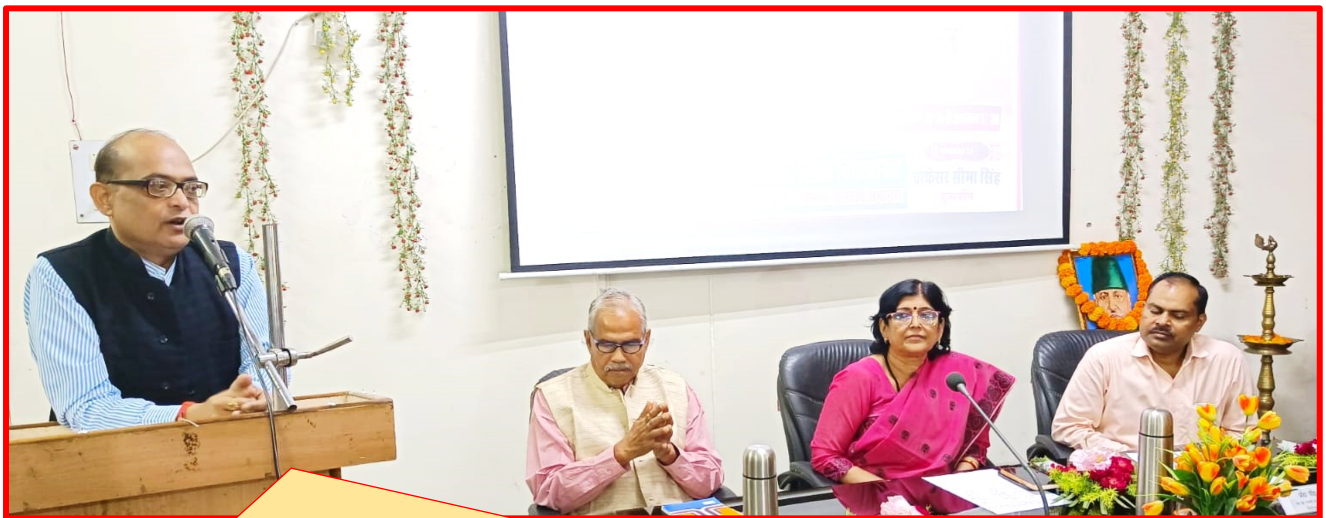

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

स्वायत्तता के बिना विकास संभव नहीं: प्रो. पीके साहू

● दूरस्थ शिक्षा पद्धति विकास की अनंत संभावनाएं: प्रो. सीमा सिंह

व्याख्यान में बोलते प्रो. पी के साहू।

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को मुख्य अतिथि इलाहाबाद विवि के पूर्व कुलपति प्रो पी के साहू ने व्याख्यान देते हुए कहा कि विकास स्वायत्तता के बिना संभव नहीं होता। यदि हम किसी से नियंत्रित होंगे तो वह हमारी स्वायत्तता पर बाधा उत्पन्न करेगा। स्वायत्तता का संप्रत्यय संकुचित होता है क्योंकि किताब पढ़ने

औपचारिक शिक्षक एवं मुक्त विवि के शिक्षक में भी अंतर होता है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षार्थी की स्वायत्तता पर बल देती है। आधुनिक शिक्षा में अनुभव आधारित शिक्षा विज्ञान का एक स्वरूप है।

प्रोफेसर साहू ने कहा कि सोच

देते हुए कहा कि जब तक हम स्वावलंबी नहीं होंगे विकास बाधित रहेगा क्योंकि दूसरे पर निर्भर रह कर संपूर्ण विकास संभव नहीं हो सकता।

प्रोफेसर साहू ने मुक्त शिक्षा पद्धति को वक्त की मांग बताते हुए कहा कि मुक्त शिक्षा प्रणाली अध्ययन में प्रबंधन

देती है। शिक्षा मजबूती प्रदान करती है तथा ऊंचाई पर ले जाने में शिक्षा की सशक्त भूमिका है। प्रो सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में छात्र हमसे दूर रहता है इसीलिए शिक्षक का प्रतिनिधित्व पाठ्य सामग्री करती है। पाठ्य सामग्री की संवेदनशीलता ही छात्र को दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षक का बोध कराती है। उन्होंने कहा नई शिक्षा नीति में जड़ों से जुड़ने की बात कही गई है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में विकास की अनंत संभावनाएं हैं। हम अच्छे शिक्षार्थियों का निर्माण कर सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से जीवन पर्यंत शिक्षा ग्रहण की जा सकती है। प्रारंभ में मुख्य अतिथि इविवि के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी के साहू एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह तथा अन्य अतिथियों ने रजत जयंती

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

14 नवम्बर, 2022

मुविवि में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्रारम्भ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में **Statistical Tools in Research: Dimensions, Trends & Challenges** विषयक **Multidisciplinary National Workshop** का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। इस पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर मनोज कुमार

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 गौरव संकल्प तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं प्रतिभागीगण

मुक्त चिन्तन

अतिथि स्वागत

माननीय अतिथियों
को पुष्पगुच्छ
भेंट कर
उनका स्वागत
करते हुए
विश्वविद्यालय
परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता

कार्यशाला के बारे में बताती हुई कार्यशाला की संयोजक डॉ श्रुति

मुक्त चिन्तन

अतिथि सम्मान

मुख्य अतिथि
प्रोफेसर राजेश सिंह
तथा
विशिष्ट अतिथि
प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर सम्मानित करती हुई विश्वविद्यालय
की कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह

विश्वविद्यालय की कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर सम्मानित करती हुई कार्यशाला की
संयोजक डॉ श्रुति

विश्वविद्यालय की कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह
को
स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए
कार्यशाला के निदेशक
प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता

डॉ सुमिता सिंह,संयुक्त निदेशक, कृषि भवन, लखनऊ, प्रोफेसर नमिता श्रीवास्तव आगरा विश्वविद्यालय एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो० पी०पी० दुबे एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

वृहद डेटा टेराबाइट्स में उपलब्ध होता है – प्रोफेसर मनोज कुमार

प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलपति, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, बस्तर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि सांख्यिकी में मुख्यतः दो तरह का डेटा उपलब्ध होता है। संरचनात्मक डेटा तथा बिखरा हुआ डेटा। उन्होंने इन दोनों की उपयोगिता बताते हुए इनके अध्ययन में सांख्यिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने वृहद डेटा विश्लेषण और उसकी सामाजिक, वैज्ञानिक एवं दिन–प्रतिदिन के कार्यों में सांख्यिकीय टूल की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वृहद डेटा टेराबाइट्स में उपलब्ध होता है।

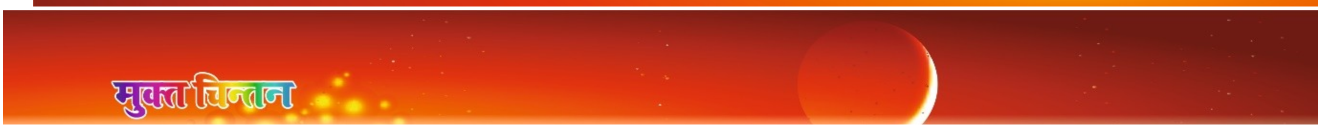

कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि वर्तमान समय में सांख्यिकी की उपयोगिता को देखते हुए वृहद डेटा विश्लेषण को कोर्स में शामिल किया जाए। सांख्यिकीय टूल्स की उपयोगिता के बारे में बताते हुए प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज के समय में यूजीसी ने भी पीएचडी स्टूडेंट को भी जो 6 महीने का कंपलसरी कोर्स करा रही है उसमें भी रिसर्च मेथाडोलॉजी और कंप्यूटर एप्लीकेशन का कोर्स अनिवार्य करा दिया है।

उन्होंने बताया कि रिसर्च मेथाडोलॉजी में प्रमुखता से विभिन्न सांख्यिकीय टूल्स की पढ़ाई एवं उपयोगिता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कुलपति रहते हुए उन्होंने पूर्णिया एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय में इसको लागू कराया। उन्होंने कहा कि वृहद रूप में उपलब्ध डेटा को विश्लेषित करने और उसको उपयोगी बनाने के लिए सांख्यिकीय टूल की आवश्यकता होती है।

प्रोफेसर राजेश सिंह

मुक्त चिन्तन

रिसर्च कल्चर को स्कूल स्तर पर शुरू करें– प्रोफेसर सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि बिना सांख्यिकी के प्रयोग के कोई शोध बहुत सफल नहीं हो पाता और न ही उसमें गुणवत्ता आ पाती है। उन्होंने रिसर्च कल्चर को स्कूल स्तर पर शुरू करने पर जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने प्रतिभागियों से कहा कि वह जो ज्ञान यहां पर अर्जित कर रहे हैं उसे अपने तक सीमित ना रखें बल्कि उसका उपयोग समाज की भलाई के लिए करें।

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव प्रो0 पी0 पी0 दुबे

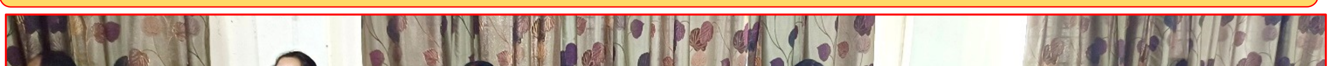

मुक्त चिन्तन

एकेडमिक सत्र

एकेडमिक सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी ने सांख्यिकी एवं शोध तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की डॉ एकता वर्मा ने सेंपलिंग मैथड्स एंड टेक्निक्स इन रिसर्च पर व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर डॉ सुमिता सिंह, संयुक्त निदेशक, कृषि भवन, लखनऊ, प्रोफेसर नमिता श्रीवास्तव आगरा विश्वविद्यालय, प्रोफेसर ए. के. मलिक, प्रोफेसर जे. पी. यादव, डॉ दिनेश कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला में देश के 8 राज्यों महाराष्ट्र, झारखंड, नई दिल्ली, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लगभग 70 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

पांच दिवसीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में 15 नवंबर को प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश सिंह, बीएचयू एवं प्रोफेसर एस. ए. अंसारी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 16 नवंबर को डॉ अनूप कुमार, एसजीपीजीआई, लखनऊ तथा डॉ अमित कुमार मिश्रा, बीबीएयू, लखनऊ, 17 नवंबर को डॉ अजहर अली खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय तथा डॉ श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प यूपीआरटीओयू तथा 18 नवंबर को प्रथम सत्र में डॉ मनोज कुमार बलवंत यूपीआरटीओयू का व्याख्यान होगा।

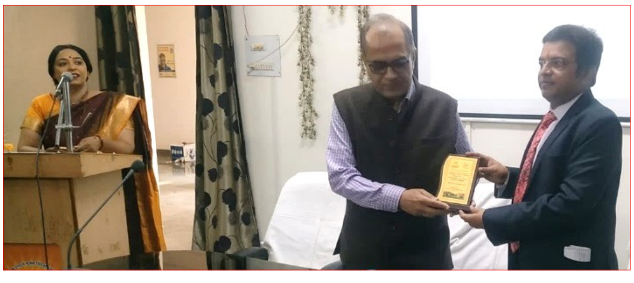

एकेडमिक सत्र में व्याख्यान देते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी

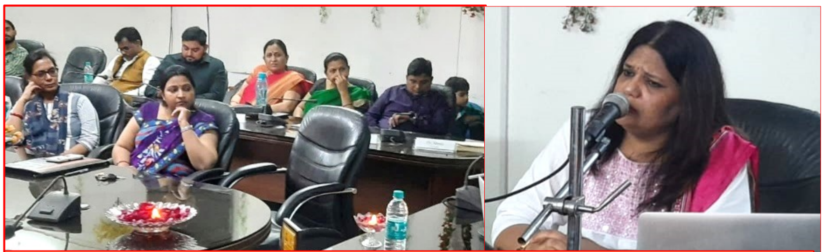

एकेडमिक सत्र में व्याख्यान देती हुई इलाहाबाद विश्वविद्यालय की डॉ एकता वर्मा

प्रोफेसर ए. के. मलिक

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम की अन्य झलकियां

राजर्षि टण्डन उद्यान

वृहद डेटा विश्लेषण को कोर्स में शामिल किया जाए: प्रो. राजेश सिंह

● मुविवि में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्रारम्भ

कार्यशाला में बोलते हुए कुलपति।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन सोमवार को हुआ। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेश सिंह कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव कुलपति शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर बस्तर छत्तीसगढ़ एवं मुक्त यूजीसी ने भी पीएचडी स्टूडेंट को भी जो छह महीने का कंपलसरी कोर्स करा रही है। उसमें भी रिसर्च मेथाडोलॉजी और कंप्यूटर एप्लीकेशन का कोर्स अनिवार्य करा दिया है। उन्होंने कहा कि वृहद रूप में उपलब्ध डेटा को विश्लेषित करने प्रकाश डाला। प्रो श्रीवास्तव ने वृहद डेटा विश्लेषण और उसकी सामाजिक वैज्ञानिक एवं दिन प्रतिदिन के कार्यों में सांख्यिकीय टूल की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि बताया कि पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को 20 सत्रों में विभाजित किया गया है। जिसमें उद्घाटन एवं समापन सत्र के अतिरिक्त 18 एकेडमिक सत्र रखे गए हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ गौरव संकल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। एकेडमिक सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो अनूप चतुर्वेदी ने सांख्यिकी एवं शोध तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की डॉ एकता वर्मा ने सेंपलिंग मैथड्स एंड टेक्निक्स इन रिसर्च पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर डॉ सुमिता सिंह संयुक्त निदेशक कृषि

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

www.livehindustan.com

मंगलवार

फुटबाल खिलाड़ी रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड पर धोखा देने का आरोप लगाया P-14

वृहद डेटा विश्लेषण को कोर्स में करें शामिल : प्रो. सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विज्ञान विद्या शाखा की ओर से पांच दिनी राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में सांख्यिकी की उपयोगिता को देखते हुए वृहद डेटा विश्लेषण को कोर्स में शामिल किया जाए। यूजीसी ने भी पीएचडी स्टूडेंट को भी जो 6 महीने का कंपलसरी कोर्स करा रही है उसमें भी रिसर्च मेथाडोलॉजी और कंप्यूटर एप्लीकेशन का कोर्स अनिवार्य करा दिया है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के अवसर पर एकत्रित अतिथि। • हिन्दुस्तान

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर, बस्तर छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सांख्यिकी में मुख्यतः दो तरह का डेटा उपलब्ध होता है। संरचनात्मक डेटा तथा बिखरा हुआ डेटा। उन्होंने इन दोनों की उपयोगिता बताते हुए इनके अध्ययन में सांख्यिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि बिना सांख्यिकी के प्रयोग के कोई शोध बहुत सफल नहीं हो पाता और न ही उसमें गुणवत्ता आ पाती है। उन्होंने रिसर्च कल्चर को स्कूल स्तर पर शुरू करने पर जोर दिया। संचालन डॉ. गौरव संकल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे ने किया।

इस अवसर पर डॉ. एकता वर्मा, डॉ. सुमिता सिंह, प्रो. नमिता श्रीवास्तव, प्रो. एके मलिक, प्रो. जेपी यादव, डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला में देश के 8 राज्यों महाराष्ट्र, झारखंड, नई दिल्ली, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लगभग 70 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 15 नवम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में "जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

बिरसा मुण्डा के जन्मदिवस पर मनाये जाने वाले "जनजातीय गौरव दिवस" के अवसर पर 'स्वाधीनता संघर्ष में जनजातीय नायकों का योगदान' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के सीका–हॉल में आयोजित इस प्रतियोगिता के प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो. सन्तोषा कुमार ने समस्त प्रतिभागियों एवं आगन्तुकों का स्वागत किया। तत्पश्चात् वाद–विवाद प्रतियोगिता के मुख्य प्रतिभागी के विभिन्न विद्याशाखा के शोधार्थी रहे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मंशा के अनुरूप भगवान बिरसा मुण्डा के जन्मदिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा 'सीका हॉल' में "जनजातीय गौरव दिवस" पर वाद–विवाद प्रतियोगिता

मुक्त चिन्तन

उक्त के उपरान्त विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विषय के प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय ने अपना उद्गार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अगले मुख्य वक्ता के रूप में सीका निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया। विश्वविद्यालय के इस वाद–विवाद प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रो. जे.पी. यादव, डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, डॉ. मीरा पाल, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सी.के. सिंह सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के अतिरिक्त लगभग 20 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

15 नवम्बर, 2022

विद्या परिषद् की 73वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 73वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 15 नवम्बर, 2022 को अपराह्न 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में आये हुए नये सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीया कुलपति जी ने उनका स्वागत किया। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

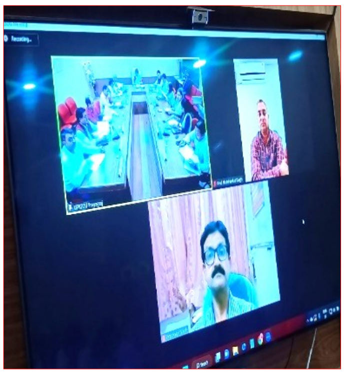

ekuuh;k dqyifr

ekuuh;k dqyifr

fo|k ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

fo|k ifj"kn ds u;s lnL;ksa dks iq"ixqPN HksaV dj mudk Lokxr djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th

मा0 कुलपति जी एवं सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुए कुलसचिव प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे

बैठक में प्रो0 हरीशंकर सिंह, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 अनुराधा अग्रवाल विभागाध्यक्ष, राजनीति विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 सुनील कुमार सिंह, आचार्य शिक्षा शास्त्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी प्रो0 विवेक कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रभाकर सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी., काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य (इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी) मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान (समाज विज्ञान विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल, (समाज विज्ञान विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, (मानविकी विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदोक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, कुलसचिव/निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखाउ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, आनलाइन/आफ लाइन उपस्थित रहे।

fo|k ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

16 नवम्बर, 2022

कार्य परिषद् की 126वीं (आकस्तिक) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 126वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 16 नवम्बर, 2022 को अपराह्न 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

मुक्त चिन्तन

कार्य परिषद् की 126वीं बैठक

बैठक में माननीय न्यायमूर्ति श्री सुनीत कुमार, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 निर्मला एस. मौर्य, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद दास, प्रति कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री ओम

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL:x.kA

गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने उठाए नए कदम

दैनिक मान्यवर

बदलापुर, जौनपुर। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने प्रदेश भर के समस्त विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों द्वारा विभिन्न सामाजिक आर्थिक राजनीतिक मुद्दों पर अनुसंधान करने और नवाचार के विकास हेतु अनेक अनुसंधान प्रोजेक्ट का प्रस्ताव आमंत्रित किया गया था। जिसमें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के एसोसिएट प्रोफेसर भूगोलवेत्ता एवं पर्यावरणविद् डॉ0 संजय कुमार सिंह को गंगा नदी के

विभिन्न शहरों पर गंगा जल की गुणवत्ता में मौसमी परिवर्तन एवं गंगाजल का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर अनुसंधान प्रस्ताव को राज्य सरकार ने स्वीकृत करते हुए उन्हें ?217800 की ग्रांड स्वीकृत किया है।

बताते चलें कि पर्यावरणविद भूगोलवेत्ता डॉ.संजय कुमार सिंह का शिक्षण कार्य राजा हरपाल सिंह पी0जी0 कॉलेज सिंगरामऊ जौनपुर से प्रारंभ हुआ था। वह अपने गृह जनपद में लगभग 13 वर्ष तक शिक्षण कार्य किए,भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष पद पर भी कार्य किया और डॉ0 सिंह ने पर्यावरण की गुणवत्ता में निरंतर हो रही गिरावट पर हमेशा चिंतन मनन करते रहते हैं तथा छात्रों व आम जनता के बीच एक जन जागरण का कार्य करते रहते हैं।

आज समाज में सभी को गाय,गंगा,गायत्री को बचाने के लिए डॉक्टर सिंह की तरह आगे आना होगा। सरकार द्वारा उठाए गए इस सराहनीय कदम से पर्यावरण को शुद्ध करने में आम भूमिका निभाएगा।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

18 नवम्बर, 2022

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्र झॉसी की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी को मिला ''विकास मित्र'' सम्मान

प्रशस्ति पत्र

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

हिन्दुस्थान समाचार बहुभाषी न्यूज एजेंसी की ओर से

डॉ. रेखा त्रिपाठी

(झाँसी, उत्तर प्रदेश)

को दूरस्थ शिक्षा व समाजसेवा के क्षेत्र में
उल्लेखनीय योगदान के लिये

'विकास मित्र'

सम्मान से सम्मानित करते हुये हर्ष की अनुभूति हो रही है।

तिथि : 18 नवम्बर, 2022

रामबहादुर राय
समूह संपादक, हिन्दुस्थान समाचार न्यूज एजेंसी

अरविंद भालचंद्र मार्डीकर
अध्यक्ष, हिन्दुस्थान समाचार न्यूज एजेंसी

दिनांक 18 नवम्बर, 2022 को हिन्दुस्तान समाचार द्वारा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी को दूरस्थ शिक्षा व समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ''विकास मित्र'' सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने डॉ0 रेखा त्रिपाठी को बधाई एवं शुभकामना दी।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

18 नवम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

प्रकृति के साथ मानव का समन्वय ही प्राकृतिक चिकित्सा

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के शिक्षा संकाय के अंतर्गत योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा केंद्र, शारीरिक शिक्षा विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज रही। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर देवनाथ सिंह गौतम, विभागाध्यक्ष, रस शास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, बीएचयू तथा मुख्य वक्ता डॉ परमेश्वर शुक्ला, प्राचार्य, श्री रामानुजा संस्कृत महाविद्यालय रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति, प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी जी ने की।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर सीमा सिंह कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने आशीर्वचन में योगा अनुशासन और सामाजिक प्रेम का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर देवनाथ सिंह गौतम विभागाध्यक्ष रस विभाग आयुर्वेद संकाय बीएचयू ने कहा कि वेद प्राकृतिक चिकित्सा की नीव है जिसमें बिना दवा के इलाज किया जाता है। मुख्य वक्ता डॉ उमेश शुक्ला प्राचार्य श्री रामानुजा संस्कृत महाविद्यालय में नेचुरोपैथी एवं योग को प्रकृति का समन्वय रूप कहा। डॉ अजय कुमार, गवर्नमेंट आयुर्वेद कॉलेज, चौकाघाट ने आहार और विहार पर प्रकाश डाला। वही डॉ टीना सिंगल, राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने रितुचर्या दिनचर्या के महत्व का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। संचालन सुनीता एवं अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर सुरेंद्र राम ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ हरीश चंद्र, प्रोफेसर अनीता सिंह, अनेक विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर रेखा यादव, प्रो0 जे0पी0 यादव, डॉ0 नवरत्न सिंह, डॉ0 चन्द्रशेखर, डॉ0 कुंदन सिंह, डॉ0 बाल रुप यादव, डॉ0 अभिषेक मिश्रा, डॉ0 चन्द्रमणि, डॉ0 वीणा वादिनी, डॉ0 दिनेश, पूजा, सुश्री निशा यादव, अमित कुमार गौतम के साथ–साथ भारी संख्या में विद्य

प्रकृति के साथ मानव का समन्वय ही प्राकृतिक चिकित्सा

वाराणसी (जनवार्ता)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के शिक्षा संकाय के अंतर्गत योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा केंद्र ,शारीरिक शिक्षा विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। अध्यक्षता कर रहे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि प्रकृति से समन्वय ही प्राकृतिक चिकित्सा है।

कुलपति प्रो. सीमा सिंह को स्मृति चिन्ह देते प्रो. त्यागी, प्रो. गौतम।

मुख्य अतिथि प्रो. सीमा सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, ने अपने आशीर्वचन में योगा अनुशासन और सामाजिक प्रेम का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो. देवनाथ सिंह गौतम विभागाध्यक्ष रस शास्त्र विभाग आयुर्वेद संकाय बीएचयू ने कहा कि वेद प्राकृतिक चिकित्सा की नीव है, जिसमें बिना दवा के इलाज किया जाता है। मुख्य वक्ता डॉ. परमेश्वर दत्त शुक्ला, प्राचार्य श्री रामानुजा संस्कृत महावि. ने नेचुरोपैथी एवं योग को प्रकृति का समन्वय रूप कहा । डॉ अजय कुमार गवर्नमेंट आयुर्वेदिक राजकीय कॉलेज चौकाघाट ने आहार और विहार पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ टीना सिंघल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज एवं हॉस्पिटल ने रितुचर्या दिनचर्या के महत्व का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया। संचालन डॉ सुनीता एवं अतिथियों का स्वागत प्रो. सुरेंद्र राम ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ हरीश चंद्र, चीफ प्रॉक्टर प्रो. अमिता सिंह के साथ-साथ अनेक विभागों के विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर रेखा ,डॉ जेपी यादव, डॉ नवरत्न सिंह, डॉक्टर चंद्रशेखर, डॉ कुंदन सिंह , डॉक्टर बाल रूप यादव, डॉ अभिषेक मिश्रा ,डॉक्टर चंद्रमणि, डॉ वीणा वादिनी ,डॉक्टर दिनेश, पूजा,सुश्री निशा यादव, अमित कुमार गौतम के भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

18 नवम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में **Statistical Tools in Research: Dimensions, Trends & Challenges** विषयक **Multidisciplinary National Workshop** दिनांक 14 से 18 नवम्बर तक आयोजित की गई। जिसके समापन सत्र का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर, 2022 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। इस पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के० बी० पाण्डेय, पूर्व कुलपति, छत्रपति साहूजी महराज विश्वविद्यालय, कानपुर रहे तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी० पी० दुबे ने किया।

कार्यशाला निदेशक, प्रो0 आशुतोष गुप्ता ने साफ्टवेयरों एवं नयी तकनीक का शोध में उपयोग एवं उसकी गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए इस पर प्रकाश डाला। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यशाला के सह–संयोजक प्रो0 ए0के0 मलिक ने किया। कार्यशाला की आख्या आयोजन सचिव डॉ0 गौरव संकल्प ने प्रस्तुत की। समापन सत्र का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ श्रुति ने किया।

पांच दिवसीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में 15 नवंबर को प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश सिंह, बीएचयू एवं प्रोफेसर एस ए अंसारी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 16 नवंबर को डॉ अनूप कुमार, एसजीपीजीआई, लखनऊ तथा डॉ अमित कुमार मिश्रा, बीबीएयू, लखनऊ, 17 नवंबर को डॉ अजहर अली खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय तथा डॉ श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प यूपीआरटीओयू तथा 18 नवंबर को प्रथम सत्र में डॉ मनोज कुमार बलवंत यूपीआरटीओयू के व्याख्यान हुए। कार्यशाला में देश के 8 राज्यों महाराष्ट्र, झारखंड, नई दिल्ली, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लगभग 70 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

मुक्त चिन्तन

समापन सत्र का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता

मंचासीन माननीय अतिथिगण

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के सह–संयोजक प्रो0 ए0के0 मलिक

साफ्टवेयरों एवं नयी तकनीक का शोध में उपयोग एवं उसकी गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए इस पर प्रकाश डालते हुए कार्यशाला के निदेशक, प्रो0 आशुतोष गुप्ता

कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 गौरव संकल्प

माननीय अतिथियों को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

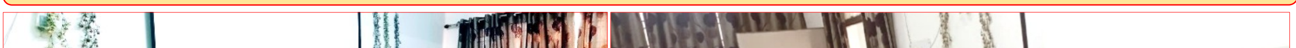

शोध समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण : प्रो0 पाण्डेय

प्रो0 के0बी0 पाण्डेय

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो0 के0बी0 पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं पूर्व कुलपति, कानपुर विश्वविद्यालय ने शोध में प्रयुक्त होने वाले आंकड़ो की महत्ता एवं उसके विश्लेषण पर विशेष प्रकाश डाला। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि शोध ही किसी समाज के विकास में महत्वपूर्ण होती है। शोध हमें नयी तकनीक का ज्ञान एवं उससे परिचित कराती है।

शोध एवं उसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरुरत : प्रो0 पी0पी0 दुबे

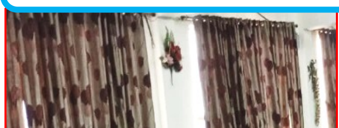

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा ने विश्वविद्यालय में शोध एवं उसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। प्रो0 दुबे ने सांख्यिकी एवं शोध द्वारा समाज में परिवर्तन एवं उसकी उपयोगिता पर विशेष बल दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में शोध छात्रों को ऐसे विषयों को चुनने के लिए कहा जो सामाजिक सरोकार को परिपूर्ण कर सके।

प्रो0 पी0पी0 दुबे

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई संयोजक डॉ श्रुति

14–18 नवम्बर, 2022 तक आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला की दिवसवार झलकियां

15 नवम्बर, 2022

"Data, Data Type & Measurement Scale", **Prof. Gyan Prakash Singh**, Department of Statistics, Banaras Hindu University, Varanasi

15 नवम्बर, 2022

"Parametric & Non-Parametric Tests: Application in Research" by **Prof. S. A. Ansari**, Ex. Head & Dean, Department of Commerce and Business Administration, University of Allahabad, Prayagraj Department of Statistics, Banaras Hindu University, Varanasi

16 नवम्बर, 2022

"An Introduction Data Analysis with SPSS" by **Dr. Anup Kumar**, Department of Bio-Statistics, SGPGI, Lucknow

16 नवम्बर, 2022

"Introduction to Statistical Estimation" by **Dr. Amit Kumar Mishra**, Department of Statistics, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow

17 नवम्बर, 2022

"Descriptive Statistics with R" by **Prof. Athar Ali Khan**, Department of Statistics, Aligarh Muslim University, Aligarh

17 नवम्बर, 2022

"Use of Multivariate Analysis in Research" by **Prof. Abhay Kumar Tiwari,** Deptt of Statistics, B.H.U., Varanasi

17 नवम्बर, 2022

"Use of Operation Research" by **Prof. A. K. Malik ,** School of Sciences, U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

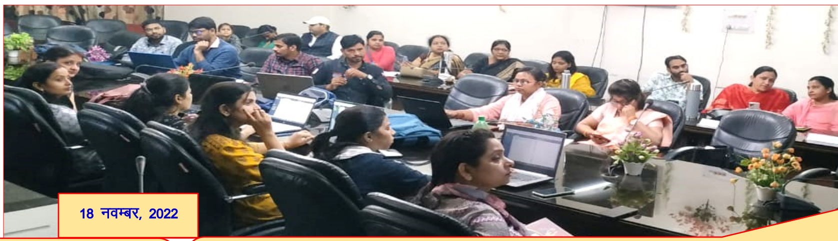

18 नवम्बर, 2022

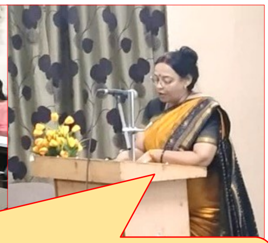

"Statistical Tools in Research: Correlation and regression analysis" by **Dr. Gaurav Sankalp**, School of Management Studies, U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

"Data Handling with Multivariate Techniques" by **Dr. Shruti**, School of Sciences, U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

"Writing with $\LaTeX$" by **Manoj Kumar Balwant**, School of Sciences, U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

23 नवम्बर, 2022

मुफ्त शिक्षा के लिए किन्नर कल्याण बोर्ड ने की मुक्त विश्वविद्यालय की सराहना

महामण्डलेश्वर गुरु कौशल्या नन्द गिरी (टीना मॉ) मा0 सदस्य किन्नर कल्याण बोर्ड, उत्तर प्रदेश ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह से वार्ता करती हुई।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज और किन्नर कल्याण बोर्ड मिलकर किन्नरों सामाजिक उत्थान के लिए उन्हें व्यावसायिक एवं उच्च शिक्षा में दीक्षित करेगा। इस संबंध में दिनांक 23 नवम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह और किन्नर कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश की सदस्य दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री एवं किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर गुरु कौशल्या नंद गिरी टीना मां के साथ एक बैठक में कार्य योजना तय की गई। प्रारंभ में टीना मां ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को अंग वस्त्र प्रदान कर आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर टीना मां ने सरस्वती परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की नवनिर्मित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं अटल प्रेक्षागृह का अवलोकन किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने महामंडलेश्वर गुरु कौशल्या नंद गिरी का विश्वविद्यालय में स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम से स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने टीना मां को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका तथा अन्य अध्ययन सामग्री प्रदान की।
इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ला एवं निदेशक, सीका प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

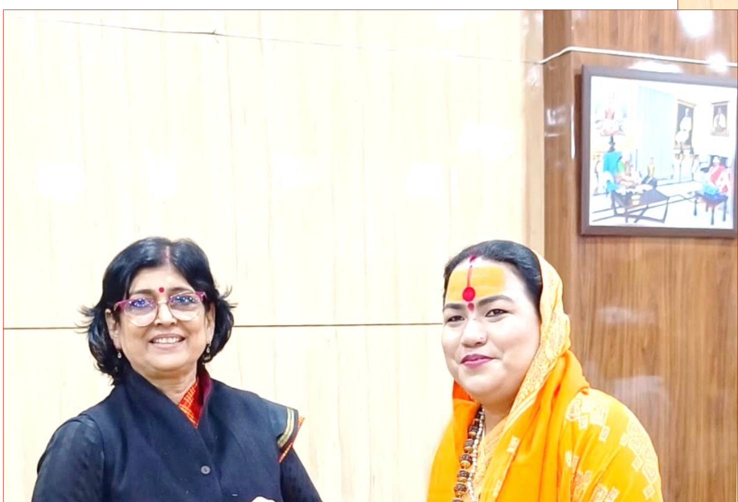

महामण्डलेश्वर गुरु कौशल्या नन्द गिरी टीना माँ
मा0 सदस्य
किन्नर कल्याण बोर्ड,
उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश
को
पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र
एवं स्
मृति चिन्ह भेंट करती हुई
माननीया कुलपति,
प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में किन्नर करेंगे नृत्य, सोहर, संगीत के कार्यक्रम– टीना मां

महामंडलेश्वर गुरु कौशल्या नंद गिरी टीना मां

उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर गुरु कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन में अंधकार है। मुक्त विश्वविद्यालय ने किन्नरों को मुफ्त शिक्षा देने की जो मुहिम प्रारंभ की है वह बहुत सराहनीय है। इससे किन्नर समाज को एक नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे किन्नर समाज को मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय किन्नरों की शिक्षा के लिए निरंतर चिंतनशील– प्रोफेसर सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय किन्नरों की शिक्षा के लिए निरंतर चिंतनशील एवं प्रयासरत है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मा0 श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय ने किन्नरों के कल्याण के लिए मुफ्त शिक्षा की जो पहल प्रारंभ की है। उसका लाभ किन्नर समुदाय तक पहुंच सके, इसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड और विश्वविद्यालय द्वारा मिलकर कार्य करने की दिशा के प्रयास का यह पहला कदम है। इस संबंध में शीघ्र ही एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमने किन्नरों के समाज

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

महामण्डलेश्वर गुरु कौशल्या नन्द गिरी टीना माँ
मा0 सदस्य
किन्नर कल्याण बोर्ड,
उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश ने
माननीया कुलपति,
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
को
अंग वस्त्र प्रदान कर आशीर्वाद प्रदान किया।

कुछ अन्य झलकियां

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जी की मर्ति पर माल्यार्पण करती हुई माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं महामण्डलेश्वर गुरु कौशल्या नन्द गिरी (टीना माँ) मा0 सदस्य किन्नर कल्याण बोर्ड, उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश

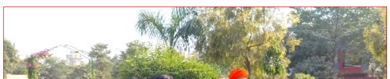

योगः कर्मसु कौशलम्

AHNIK VARTA PATRAM
Email - ahnikvartapatram@gmail.com

आह्निक वार्ता पत्रम्

RNI No. : UPSAN/2018/76680

वर्ष-5 अंक 31 संस्कृत दैनिक/ प्रातः संस्करण | प्रयागराज 24 नवम्बर 2022 गुरुवार | पृष्ठ-4 | मूल्य- 2 रुपये

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालये किन्नराणां माध्यमेन नृत्य, सोहर सांस्कृतिक कार्यक्रमाणां प्रस्तुतिः भविष्यति।टीना मां द्वारा सरस्वती परिसरे स्थापित राजर्षि टंडनस्य नवनिर्मित प्रतिमायां माल्यार्पणं कृतवती। अस्मिन् अवसरे कुलपतिः महामण्डलेश्वर कौशल्या नंद गिरी महाभागस्य स्मृति चिन्हं एवं अंगवस्त्रं दत्वा स्वागतं कृतवती।

प्रयागराज, गुरुवार
24 नवंबर, 2022
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

www.jagran.com

किन्नर वेलफेयर बोर्ड और मुवि मिलकर करेंगे काम

जासं, प्रयागराजः उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड किन्नरों के सामाजिक उत्थान के लिए उन्हें व्यवसायिक एवं उच्च शिक्षा में दीक्षित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसको लेकर बुधवार को मुवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह और उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि के बीच चर्चा हुई। इसमें दोनों के बीच एमओयू पर भी चर्चा की गई।

महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने किन्नरों को मुफ्त शिक्षा देने की जो मुहिम शुरू की है, वह सराहनीय है। किन्नर समाज को एक नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे किन्नर समाज को मुवि के शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में अवगत

कौशल्यानंद गिरि महाराज को स्मृति चिह्न देतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह • सौ.: मुवि

कराएंगी। इसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड की तरफ से किन्नर समुदाय की सूची तैयार करवाई जा रही है। सूची तैयार करने के बाद जिसकी जो योग्यता होगी उसको उस कोर्स या डिग्री में प्रवेश दिलाया जाएगा। किन्नर व ट्रांसजेंडरों का शीघ्र प्रवेश शुरू होगा। कुलपति प्रो.सीमा सिंह ने कहा कि मुवि किन्नरों की शिक्षा के लिए चिंतनशील एवं प्रयासरत है।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, गुरूवार 24 नवम्बर 2022

विश्वविद्यालय किन्नरों की शिक्षा के लिए निरंतर चिंतनशील : प्रो.सीमा सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और किन्नर कल्याण बोर्ड मिलकर किन्नरों सामाजिक उत्थान के लिए उन्हें व्यावसायिक एवं उच्च शिक्षा में दीक्षित करेगा। इस संबंध में बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह और किन्नर कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश की सदस्य दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री एवं किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी टीना मां के साथ एक बैठक में कार्य योजना तय की गई। प्रारंभ में टीना मां ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को अंग वस्त्र

दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे किन्नर समाज को मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराएंगी। इस अवसर पर टीना मां ने सरस्वती परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की नवनिर्मित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं अटल प्रेक्षागृह का अवलोकन किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय ने किन्नरों के कल्याण के लिए मुफ्त शिक्षा की जो पहल प्रारंभ की है। उसका लाभ किन्नर समुदाय तक पहुंच सके, इसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड और विश्वविद्यालय द्वारा मिलकर कार्य करने की दिशा के प्रयास का यह पहला कदम है। इस संबंध में शीघ्र ही एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमने किन्नरों के समाज को शिक्षित करने के लिए जो पहल की है उसमें समाज का सहयोग अत्यंत आवश्यक

purvanchalswar.com | 8400976542, 9415860883 | मूल्यः रु. 2

दैनिक पूर्वांचल स्वर

purvanchalswardainik@gmail.com | गुरुवार, 24 नवंबर, 2022 | वर्षः 10 अंकः 320 पृष्ठः 08

मुक्त विवि में किन्नर करेंगे नृत्य, सोहर, संगीत के कार्यक्रम : कौशल्यानंद गिरि

मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज और किन्नर कल्याण बोर्ड मिलकर किन्नरों सामाजिक उत्थान के लिए उन्हें व्यावसायिक एवं उच्च शिक्षा में दीक्षित करेगा। इस संबंध में बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह और किन्नर कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश की सदस्य दर्जा प्राप्त

कार्य योजना तय की गई। प्रारंभ में टीना मां ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को

किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन में अंधकार है। मुक्त विश्वविद्यालय ने किन्नरों को मुफ्त शिक्षा देने की जो मुहिम प्रारंभ की है वह बहुत सराहनीय है। इससे किन्नर समाज को एक नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे किन्नर समाज को मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराएंगी। इसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड की तरफ से किन्नर

हिन्दुस्तान

किन्नर कल्याण बोर्ड विवि में होगा समझौता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और किन्नर कल्याण बोर्ड मिलकर किन्नरों के सामाजिक उत्थान के लिए उन्हें व्यावसायिक एवं उच्च शिक्षा में दीक्षित करेगा।

इस संबंध में बुधवार को मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह और किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य एवं किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि टीना मां ने बैठक कर कार्ययोजना तय की। कुलपति ने कहा कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय ने

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

25 नवम्बर, 2022

प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाये जाने के सम्बन्ध में परामर्शी संस्था डिलॉइट के प्रस्ततीकरण पर विचार–विमर्श

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाये जाने के सम्बन्ध में परामर्शी संस्था डिलॉइट द्वारा तैयार किया गया उच्च शिक्षा से सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण पर शिक्षाविद् के रूप में, मात्र अपने स्वयं के अपने बहुमूल्य सुझाव हेतु प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा के साथ समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय के कुलपतियों की वर्चुअल बैठक दिनांक 25 नवम्बर, 2022 को पूर्वाह्न 10.00 बजे आहूत की गयी। उक्त बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने प्रतिभाग किया।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

25 नवम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली कौमी एकता रैली

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 25 नवम्बर, 2022 को मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में कौमी एकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर से कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। कौमी एकता रैली राष्ट्रीय एकता का उद्घोष करते हुए शांतिपुरम स्थित विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में समाप्त हुई।

इससे पूर्व कौमी एकता रैली के अवसर पर मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति का स्वागत किया।

रैली में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं शामिल रहे। इस अवसर पर रैली में राष्ट्रीय एकता का उद्घोष भी किया गया। रैली ने लोगों में देशभक्ति का भाव भर दिया।

रैली में शामिल विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं

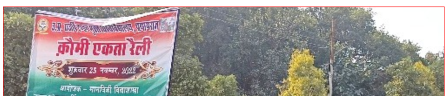

रैली में शामिल विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं

मुक्त चिन्तन

सांप्रदायिक सद्भाव से ही मजबूत होगी राष्ट्रीय एकता–प्रोफेसर सीमा सिंह

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कौमी एकता सप्ताह विभिन्न जातियों, धर्म एवं संप्रदाय को एक साथ लाने का कार्य करता है। देशभक्ति एवं राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत ही भारतीय होने की पहचान है। देश के सभी नागरिक एकता के साथ रहें और कौमी एकता को बढ़ावा दें, जिससे हम एक साथ मिलकर देश का विकास कर सकें। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि एकता में बड़ी शक्ति होती है। हर क्षेत्र में एकता के माध्यम से लक्ष्य की प्राप्त की जा सकती है। देश को एकता के सूत्र में बांधकर ही हम विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधताओं से परिपूर्ण है। हमें राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत बनाने और सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य करना चाहिए।

कौमी एकता दिवस एवं झंडा दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज हम यह शपथ लें कि कमजोर वर्ग के उत्थान, सांस्कृतिक एकता, महिलाओं का सम्मान, भाषाई सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण तथा सांप्रदायिक सौहार्द की दिशा में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
26 नवम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय ने लिया संविधान की प्रस्तावना का संकल्प

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को संविधान दिवस के अवसर पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, सभी निदेशकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं ने संविधान की आत्मा के रूप में **संविधान की प्रस्तावना का संकल्प** लिया।

विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर भी संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान मे **''भारतः लोकतंत्र की जननी''** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी तथा अतिथियों का स्वागत शोध एवं विकास केंद्र के निदेशक प्रोफेसर पी.के. पाण्डेय ने किया। अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा

विश्वविद्यालय परिवार को विधान की आत्मा के रूप में संविधान की प्रस्तावना का संकल्प दिलाती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

"भारतः लोकतंत्र की जननी" पर व्याख्यान

कार्यक्रम

का

संचालन करते हुए

डॉ आनंदानंद त्रिपाठी

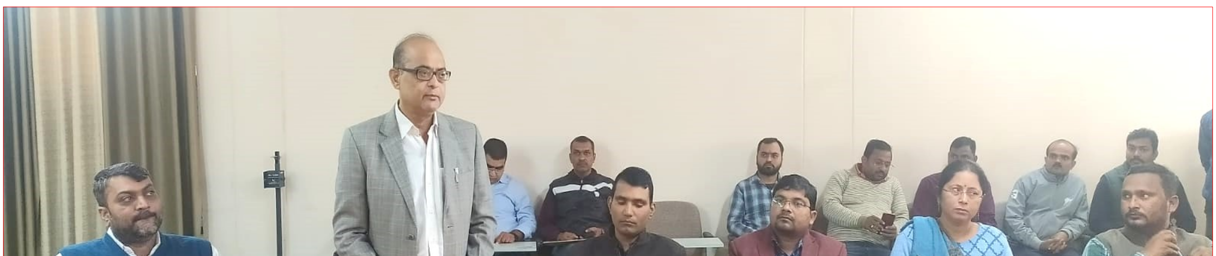

?

अतिथियों का स्वागत करते हुए शोध एवं विकास केंद्र के निदेशक प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय

डॉ त्रिविक्रम ने दिया "भारतः लोकतंत्र की जननी" पर व्याख्यान

मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान ने इस विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत वास्तविक अर्थों में लोकतंत्र की जन्मस्थली रहा है। विश्व का प्राचीनतम लोकतंत्र भारत में वैशाली के लिच्छवी के रूप में प्राप्त होता है। पाश्चात्य लोकतंत्र की संकल्पना की भारतीय लोकतंत्र से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि पाश्चात्य चिंतन अंतर्द्वंद्वों से युक्त है जबकि भारतीय चिंतन समावेशी है, द्वंद्व मुक्त है। अपने वक्तव्य में डॉ. त्रिविक्रम ने प्राचीन भारतीय राजतंत्र में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को परिलक्षित किया।

सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर एस. कुमार

विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर भी संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की आत्मा के रूप में संविधान की प्रस्तावना का संकल्प लेते हुए क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के समन्वयक, षिक्षक एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ और इस्माइल नेशनल महिला पी जी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस मनाया गया जिसमे संविधान के आत्मा के रूप में संविधान के प्रस्तावना का संकल्प लिया गया। जिसमे डॉ. पूनम गर्ग क्षेत्रीय समन्वयक मेरठ, डॉ अनिता राठी प्राचार्य इस्माइल नेशनल महिला पी जी कॉलेज, मेरठ, डॉ शिवाली अग्रवाल, मिथिलेश तिवारी, आशीष पाण्डेय, आदि अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
26 नवम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय ने गांव के विद्यालय में लगाया जागरूकता शिविर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्ष्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा प्रयागराज के विभिन्न अंगीकृत गांव में महिला स्वास्थ्य एवं समुदाय पोषण जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत शनिवार दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोहरी प्रयागराज में **किशोरावस्था में स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता**

किशोरावस्था में उत्तम स्वास्थ्य के लिए करें पोषण युक्त भोजन

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पोषण एवं आहार विशेषज्ञ डॉ मीरा पाल ने कहा कि किशोरावस्था में बालिकाएं अपने शारीरिक स्वास्थ्य की उत्तमता के लिए पोषण तत्वों से युक्त भोजन करें। साथ ही सफाई एवं स्वच्छता, शरीर की फिटनेस, त्वचा तथा बालों आदि का अच्छी तरह से ध्यान रखने की जानकारी दी।

इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने फ्लैक्स चार्ट इत्यादि सहायक सामग्री के माध्यम से किशोरावस्था में बालिकाओं के शरीर में होने वाले परिवर्तनों और उनसे जुड़े हुए मानसिक तथा संवेगात्मक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय विविध व्यवसाय कौशल एवं जीवन उपयोगी विधाओं जैसे पाककला, ब्यूटीशियन कार्य,विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प आदि के कौशल अर्जित करना भी बहुत उपयोगी रहता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि किशोरावस्था जहां एक ओर तनाव, संघर्ष और तूफान की अवस्था है, वहीं दूसरी और अपरिमित शक्ति, सुंदर और रचनात्मकता का अनोखा स्रोत भी इस काल में शरीर और मन मस्तिष्क में प्रवाहमान रहता है। स्मरण शक्ति, बोध शक्ति तथा विश्लेषण क्षमता आदि का पूर्ण विकास किशोरावस्था में हो जाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्रायें

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

कार्यक्रम की अन्य झलकियां

News Letter

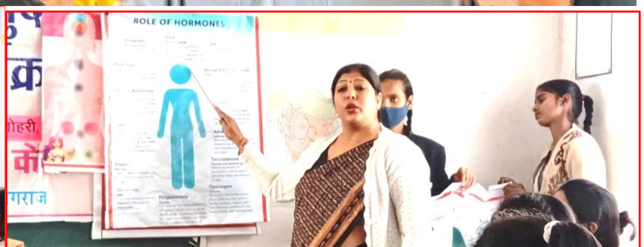

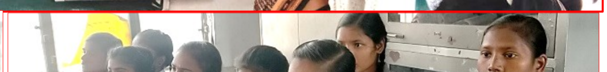

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

30 नवम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ पर योग पाठ्यक्रम के शिक्षार्थियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी०एस० शुक्ल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में आज दिनांक 30 नवम्बर, 2022 को माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के मार्गदर्शन में योग पाठ्यक्रम से संबंधित शिक्षार्थियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी० एस० शुक्ल, मानविकी विद्या शाखा के प्रो० विनोद कुमार गुप्त ,क्षेत्रीय समन्वयक डा० निरांजलि सिन्हा, योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह व सम्पत्ति अधिकारी डा० अनिल कुमार भदौरिया उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर जी०एस० शुक्ल डॉक्टर निलांजलि सिन्हा जी द्वारा किया गया, प्रोफेसर शुक्ल उपस्थित शिक्षार्थियों को योग के महत्व एवं उसकी वर्तमान परिपेक्ष्य में उपयोगिता के बारे में प्रकाश डाला, उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग के विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रम MAयोग, परास्नातक डिप्लोमा योग में अध्यनरत शिक्षार्थियों को समाज के लिए उनके योगदान को विकसित एवं समृद्ध करना है, विश्वविद्यालय वर्ष भर पूरे प्रदेश में योग से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रहा है, इस कार्यक्रम से लोगो में योग के प्रति रुझान देखने को मिल रहा है साथ ही इस इस कार्यक्रम से प्रशिक्षित होकर लोग समाज लोगो को भी प्रशिक्षण दे रहे है। योग प्रशिक्षण एवम पाठ्यक्रम जागरुकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शिविर मे CCY, DYO, PGDYO, UGYO, MA Yoga के सभी छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मंचासीन माननीय अतिथि

मुक्त चिन्तन

शिक्षार्थियों को योग का प्रशिक्षण देते हुए योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह

शिक्षार्थियों को योग के महत्व एवं उसकी वर्तमान परिपेक्ष्य में उपयोगिता के बारे में बताते हुए प्रोफेसर जी०एस० शुक्ल

'इंसान के लिए योग के साथ कर्मयोग भी जरूरी'

■ **एनबीटी, आशियाना** : स्वस्थ रहने के लिए योग तो सभी के लिए जरूरी है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है कर्मयोग। योग करने से सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है लेकिन अच्छे कर्म करने से मन भी स्वस्थ रहता है। ये बातें प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने कहीं। वह उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विवि के वृंदावन कॉलोनी स्थित क्षेत्रीय केंद्र में बुधवार से शुरू हुए तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस बीच उन्होंने छात्र-छात्राओं को योग के विभिन्न आसनों के बारे में बताया। इस मौके पर कुलपति प्रो.सीमा सिंह समेत स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो.जीएस शुक्ल, प्रो.विनोद कुमार गुप्त, डॉ. निरांजलि सिन्हा, डॉ.अनिल कुमार भदोरिया भी मौजूद रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर ब्यूरो